राष्ट्रीय संस्करण

दैनिक जागरण

वर्ष 3 अंक 138

मूल्य ₹6.00, नई दिल्ली, शनिवार, 26 अक्टूबर 2019

www.jagran.com

पृष्ठ 16

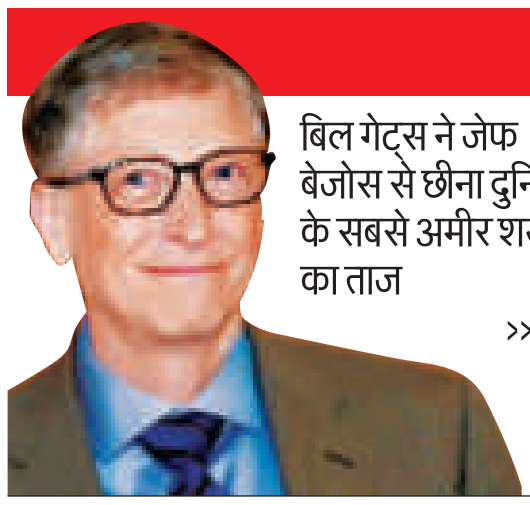

बिल गेट्स ने जेफ बेजोस से छीना दुनिया के सबसे अमीर शख्स का ताज

>> 12

हरियाणा में भाजपा और जजपा की जय-जय

बहुमत की 'चाबी'

अमित शाह ने किया नए गठबंधन का एलान, नई सरकार में जाट और गैर जाट को साधने की कोशिश

बिजेंद्र बंसल, नई दिल्ली

हरियाणा में भाजपा ने बहुमत की कसर महज 11 माह पहले बनी जननायक जनता पार्टी (जजपा) के सहारे पूरी कर ली है। चुनाव नतीजों में 40 पर अटक जाने वाली भाजपा को दस विधायकों वाली जजपा का समर्थन मिल गया और इसके साथ ही बहुमत का जादुई आंकड़ा (46) भी पार हो गया। वैसे भाजपा को गुरुवार को ही छह निर्दलीयों और हरियाणा लोकहित पार्टी के गोपाल कांडा के समर्थन का आश्वासन मिल गया था। अब जजपा के साथ आ जाने से उसके विधायकों की संख्या 57 हो गई है। हालांकि भाजपा विवादों में घिरे कांडा का समर्थन लेने के प्रति गंभीर नहीं है।

समझौते के तहत साझा सरकार में मनोहर लाल सीएम होंगे, जबकि जजपा प्रमुख दुष्यंत चौटाला को उपमुख्यमंत्री पद मिलेगा। दोनों दलों के बीच समझौते का एलान गृहमंत्री और भाजपा अध्यक्ष अमित शाह ने देर रात अपने निवास पर दुष्यंत चौटाला के साथ साझा प्रेस कांफ्रेंस में किया। इस दौरान दुष्यंत और मनोहर लाल के साथ भाजपा के कार्यकारी अध्यक्ष जेपी नड्डा, पार्टी के हरियाणा प्रभारी अनिल जैन और केंद्रीयमंत्री अनुराग ठाकुर भी मौजूद थे।

शनिवार को भाजपा विधायक दल की बैठक के बाद दोनों दलों की तरफ से नई सरकार के गठन का दावा पेश किया जाएगा। सरकार गठन के लिए दोनों दल शनिवार दोपहर राज्यपाल से मिलकर सरकार बनाने का दावा पेश कर सकते हैं। यह समझौता दोनों दलों के लिए अहम है। भाजपा को निर्दलीयों पर निर्भरता कम करने के साथ ही इसके सहारे जाट सियासत को साधने का मौका मिलेगा वहीं जजपा पहली बार चुनावी मैदान में उतरने के बाद सत्ता तक पहुंचने में कामयाब होगी।

रात से ही तेज हो गया था घटनाक्रम : हरियाणा में नई सरकार बनाने के लिए दिल्ली में गुरुवार रात से ही राजनीतिक घटनाक्रम तेज हो गया था। गुरुवार शाम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पार्टी मुख्यालय में साफ कर दिया था कि सीएम दोबारा मनोहर लाल ही होंगे। शुक्रवार सुबह मनोहर जब चंडीगढ़ से दिल्ली पहुंचे तो निर्दलीय विधायकों ने उनसे अलग-अलग चर्चा की। शाम चार बजे जजपा विधायक दल के नेता दुष्यंत चौटाला अपने निवास पर दैनिक जागरण से खास बातचीत में भाजपा को न्यूनतम साझा एजेंडे के तहत युवाओं को रोजगार और बुजुर्गों को बढ़ी हुई पेंशन देने के वायदे के साथ समर्थन देने पर नरम दिखाई दिए।

सरकार बनाने का फार्मूला : नई सरकार में मुख्यमंत्री भाजपा के मनोहर लाल ही होंगे। जजपा के दुष्यंत चौटाला उपमुख्यमंत्री बनेंगे और उनके दल के दो विधायक राज्यमंत्री बनेंगे।

हुड्डा ने भी दुष्यंत को दिया था न्योता : दुष्यंत चौटाला ने जब सरकार बनाने के लिए अपना न्यूनतम साझा एजेंडा सामने रखा तो सबसे पहले कांग्रेस नेता एवं पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने उसे स्वीकार किया। हुड्डा ने दुष्यंत को कांग्रेस के साथ सरकार बनाने का न्योता भी दिया मगर दुष्यंत के छोटे भाई दिग्विजय सिंह ने यह कहते हुए हुड्डा का आमंत्रण खारिज कर दिया कि कांग्रेस के पास विधायकों के नंबर नहीं हैं।

जनसंघ के जमाने से हैं देवीलाल परिवार से रिश्ते : भाजपा और देवीलाल परिवार के बीच राजनीतिक रिश्तों का इतिहास जनसंघ के समय से शुरू होता है। इनेलो का जनाधार सिमटता जा रहा है। दुष्यंत चौटाला की जजपा देवीलाल की विरासत की ध्वजवाहक के रूप में उभरी है। इतिहास की बात करें तो भाजपा देवीलाल और ओमप्रकाश चौटाला को सीएम बनवाने में सहयोगी रही है। बंसीलाल सरकार के गिरने पर 24 जुलाई 1999 को ओमप्रकाश चौटाला भाजपा की मदद से ही सीएम बने थे। कारगिल युद्ध के बाद का लोकसभा चुनाव और उसी साल 1999 का विधानसभा चुनाव इनेलो व भाजपा ने मिलकर लड़ा था। चौटाला ने रोहतक में मेडिकल मोड़ पर देवीलाल और जनसंघ-भाजपा के दिग्गज मंगलसेन की प्रतिमाएं भी लगवाई थीं।

साझा सरकार में दुष्यंत चौटाला होंगे डिप्टी सीएम, भाजपा करेगी कांडा से परहेज

57 विधायकों के समर्थन से आज राज्यपाल के समक्ष दावा पेश करेंगे मनोहर

नई दिल्ली में शुक्रवार को भाजपा अध्यक्ष और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के आवास पर जजपा नेता दुष्यंत चौटाला बैठक में शामिल हुए। इस मौके पर दुष्यंत ने हरियाणा में भाजपा को सरकार बनाने के लिए समर्थन देने का ऐलान किया। इसके बाद प्रेसवार्ता के दौरान अमित शाह, दुष्यंत चौटाला, जेपी नड्डा, अनुराग ठाकुर और मनोहर लाल खट्टर। प्रेट्र

मतदाताओं के आदेश को मानते हुए हमने भाजपा और जजपा की साझा सरकार बनाने का फैसला किया है। यह गठबंधन लोगों की इच्छाओं के अनुरूप है।
-अमित शाह, अध्यक्ष भाजपा

हरियाणा में एक स्थायी सरकार देने के लिए भाजपा और जननायक जनता पार्टी का साथ आना महत्वपूर्ण है।
-दुष्यंत चौटाला, जजपा संयोजक

स्थिर सरकार देने के लिए भाजपा और जजपा का गठबंधन जरूरी था। शनिवार को हम राज्यपाल से मिलकर सरकार बनाने का दावा पेश करेंगे।
-मनोहर लाल, मुख्यमंत्री

अब संख्या बल का खेल

भाजपा	40
जजपा	10
निर्दलीय	7
कुल-57 विधायक	
(बहुमत के लिए जरूरी46 विधायक)	
कांग्रेस	31
इनेलो	1
हलोपा	1

न्यूनतम साझा कार्यक्रम

- बेरोजगार युवाओं को रोजगार के साधन उपलब्ध कराए जाएं। पहले ही वर्ष में सभी सरकारी विभागों में रिक्त पद भरे जाएंगे।
- बुजुर्गों की पेंशन सरकार गठन के पहले महीने में ही बढ़ी हुई दर से दी जाए

दो पार्टियों के बीच गठबंधन के फायदे

- राज्य को स्थायी सरकार मिलेगी
- सरकार निर्दलीय विधायकों के ऊपर निर्भर नहीं रह सकेगी
- मंत्रिपरिषद में शामिल मंत्रियों में जातीय संतुलन रखा जा सकेगा
- जाट और गैर-जाट के बीच समन्वय स्थापित हो सकेगा

निर्दलीयों की भूमिका

- जजपा के गठबंधन के साथ सरकार बनने के बाद नई सरकार पर निर्दलीयों का कोई दवाव नहीं रहेगा।
- निर्दलीय अब सरकार से बेहतर संबंध रखने के लिए बिना शर्त भी समर्थन देने को तैयार हो जाएंगे

लेकिन चुनौतियां भी रहेंगी

- सरकारी नौकरियों की भर्तियों में पारदर्शिता कायम रखना एक अहम काम होगा।
- जननायक जनता पार्टी(जजपा) कोटे के मंत्रियों को विभागों का बंटवारा करने में मतभेद पैदा हो सकता है मतभेद
- भाजपा और जजपा के मंत्रियों के बीच समन्वय बनाने में आ सकती है कठिनाई
- अनुशासन का प्रश्न खड़ा हो सकता है। जजपा राजनीति में अभी नवोदित है। उसके नेताओं और कार्यकर्ताओं का रुख अहम होगा।

महाराष्ट्र में कार्टून के जरिये शिवसेना ने बढ़ाई सियासी सरगर्मी

ओमप्रकाश तिवारी, मुंबई

महाराष्ट्र में अपना मुख्यमंत्री बनाने का मोह शिवसेना छोड़ नहीं पा रही है। कांग्रेस और राष्ट्रवादी कांग्रेस भी उसकी इस इच्छा को हवा देने में पीछे नहीं हैं। एक कार्टूनिस्ट बालासाहब ठाकरे द्वारा स्थापित शिवसेना का मंतव्य भी एक कार्टून के माध्यम से ही सामने आता दिख रहा है।

शिवसेना के राज्यसभा सदस्य एवं पार्टी मुखपत्र सामना के कार्यकारी संपादक संजय राऊत ने शुक्रवार सुबह ट्विटर पर एक कार्टून साझा किया, जिसमें शिवसेना का प्रतीक चिह्न बाघ, अपने गले में राकांपा का चुनाव चिह्न घड़ी बांधकर भाजपा का चुनाव चिह्न कमल सूंघता दिखाई दे रहा है। कार्टून के साथ संजय राऊत यह लिखना नहीं भूले कि 'बुरा न मानो दिवाली है'। हालांकि इस कार्टून में कांग्रेस के चुनाव चिह्न पंजे को स्थान नहीं दिया गया है, लेकिन इसकी प्रेरणा पूर्व मुख्यमंत्री एवं कांग्रेस नेता पृथ्वीराज चह्वाण का चुनाव नतीजे आने के बाद दिया गया वह बयान माना जा रहा है, जिसमें चह्वाण ने भाजपा को रोकने के लिए शिवसेना, कांग्रेस और राकांपा को साथ आने का सुझाव दिया था। हालांकि उस समय राऊत ने ऐसी किसी संभावना से इन्कार किया था। लेकिन आज स्वयं उनके द्वारा जारी यह कार्टून इशारा कर रहा है कि शिवसेना अकेले भाजपा के भरोसे नहीं बैठी है। यदि उसे मनचाहा पद मिले, तो वह नए विकल्पों पर भी विचार कर सकती है।

शुक्रवार को ही शिवसेना की युवा इकाई युवा सेना की तरफ से वरली क्षेत्र में भारी बहुमत से चुनकर आए आदित्य ठाकरे के अभिनंदन में पोस्टर चिपकाए गए, जिनमें आदित्य को 'भावी मुख्यमंत्री' कहकर संबोधित किया गया है।

वहीं, भाजपा कोर कमेटी की गुरुवार देर रात मुख्यमंत्री के सरकारी आवास 'वर्षा' में हुई। पार्टी सूत्रों का कहना है कि शुक्रवार सुबह भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अमित शाह की शिवसेना अध्यक्ष उद्धव ठाकरे से फोन पर बात हुई है। हालांकि बातचीत का ब्योरा नहीं मिल सका है। पार्टी सूत्रों का कहना है कि सरकार बनाने संबंधी कोई भी बातचीत दिवाली की छुट्टी खत्म होने यानी मंगलवार 29 अक्टूबर के बाद ही शुरू हो सकेगी।

शिवसेना ने अपने नवनिर्वाचित विधायकों की बैठक शनिवार को बुलाई है। इस बैठक के एजेंडे का भी कुछ पता नहीं चल सका है। माना जा रहा है कि शिवसेना में दो तरह के विचार सामने आ रहे हैं। एक पक्ष भाजपा से तगड़ी सौदेबाजी कर अधिकतम लाभ लेते हुए उसके साथ ही सरकार बनाने का इच्छुक है, तो दूसरा पक्ष आदित्य ठाकरे को मुख्यमंत्री के रूप में पेश करते हुए कांग्रेस-राकांपा के साथ जाने में गुरेज नहीं करना चाहता।

संजय राउत का ट्विटर पर साझा किया कार्टून।

- मुख्यमंत्री पद का मोह नहीं छोड़ पा रही शिवसेना
- मनचाहा पद मिलने पर अलग राह अपना सकती है पार्टी
- पूर्व मुख्यमंत्री ने शिवसेना, कांग्रेस और राकांपा सरकार का दिया है सुझाव
- वरली में आदित्य ठाकरे को भावी मुख्यमंत्री बताने वाले पोस्टर लगे
- भाजपा अध्यक्ष अमित शाह ने शुक्रवार को फोन पर उद्धव ठाकरे से की बात
- शिवसेना का एक धड़ा तगड़ी सौदेबाजी कर भाजपा के साथ बने रहने का पक्षधर

चुनाव नतीजे अभिमानी शासकों को सबक : शिवसेना पेज>>4

अपना देस

इनसे सीखें, महालक्ष्मी से पहले करते बड़े-बूढ़ों की पूजा

जशपुर : छत्तीसगढ़ के जशपुर जिले में असुर जनजाति के कुछ गांव हैं। खुद को महिषासुर का वंशज बताने वाले आदिवासी दिवाली मनाते हैं, लेकिन देवी-देवताओं से पहले घर के बुजुर्गों की पूजा करते हैं। घर में किसी वृद्ध के नहीं होने पर बस्ती के वृद्धजनों की पूजा की जाती है। (पेज-10)

जागरण विशेष

इस बार महाकाल के साथ दिवाली मनाएगी उज्जयिनी

उज्जैन : मध्य प्रदेश के उज्जैन में इस बार लोग महाकाल संग दिवाली मनाएंगे। महाकाल मंदिर में एक दिन पहले यानी चतुर्दशी को दिवाली मनाई जाती है, पर 23 साल बाद यह विशेष संयोग आया है, जब चतुर्दशी और अमावस्या एक ही दिन हैं। शिवभक्तों में इसे लेकर खासा उत्साह है और उज्जैन के साथ-साथ ज्योतिर्लिंग मंदिर में तैयारियों जोरों पर हैं। (पेज-10)

आतंकियों पर पाक की कार्रवाई पर निर्भर है भारत के साथ शांति वार्ता

- अमेरिका ने कहा, दोनों देश राजी हों तो ट्रंप मध्यस्थता के लिए तैयार

वाशिंगटन, एजेंसियां : अमेरिका ने कहा है कि भारत-पाक के बीच शांति वार्ता की बहाली आतंकी समूहों के खिलाफ इस्लामाबाद की सतत व स्थायी कार्रवाई पर निर्भर है। अमेरिका ने राष्ट्रपति ट्रंप के कश्मीर मुद्दे पर मध्यस्थता के इच्छुक होने की बात भी दोहराई, बशर्ते की दोनों देश इसके लिए तैयार हों।

दक्षिण एवं मध्य एशिया मामलों की कार्यवाहक सहायक विदेश मंत्री एलिस जी वेल्स ने कहा,लश्कर, जैश और हिजबुल जैसे आतंकी संगठन निश्चित रूप से समस्या हैं। इसलिए भारत-पाक के बीच हम जिस तरह की सकारात्मक वार्ता की उम्मीद कर रहे हैं, वह तभी संभव है जब पाकिस्तान आतंकियों और उनकी समूहों के खिलाफ सतत और ठोस कार्रवाई करे।

भारत-पाक तनाव पर ट्रंप चिंतित : वेल्स ने कहा, भारत-पाक के बीच मौजूदा तनाव के स्तर पर राष्ट्रपति ट्रंप चिंतित हैं। उन्होंने पिछले दिनों प्रधानमंत्री मोदी और इमरान खान के साथ मुलाकात में इस मुद्दे पर चर्चा भी की थी। इसलिए अगर दोनों देश कहते हैं तो ट्रंप कश्मीर पर मध्यस्थता करने को तैयार हैं। लेकिन भारत कश्मीर को अपना आंतरिक मामला बताता है और मामले में किसी तीसरे देश की मध्यस्थता नहीं चाहता। भारत और पाकिस्तान के बीच द्विपक्षीय वार्ता जनवरी, 2016 में पठानकोट में वायु सेना अड्डे पर हुए आतंकी हमले के बाद से बंद है। पाकिस्तान स्थित आतंकी समूहों ने इस हमले को अंजाम दिया था।

एलिस जी वेल्स — फाइल फोटो

खास बातें

- करतारपुर कॉरिडोर पर दोनों देशों के बीच समझौते का किया स्वागत
- दोनों देशों के बीच शांति बहाली को इस तरह के और कदम जरूरी बताए
- पठानकोट एयर बेस पर हमले के बाद बंद है दोनों देशों के बीच बातचीत
- भारत को कश्मीर पर तीसरे पक्ष की मध्यस्थता मंजूर नहीं

करतारपुर पर समझौते का स्वागत : एलिस वेल्स ने भारत-पाक के बीच करतारपुर कॉरिडोर पर हुए समझौते का स्वागत करते हुए कहा,यह छोटा कदम है, लेकिन रचनात्मक बातचीत के माहौल के लिए इस तरह के और कदम उठाए जाने की जरूरत है।

अमेरिका ने कश्मीर में सामान्य स्थिति बहाली पर भारत से योजना मांगी पेज>>13

जीसी मुर्मू और आरके माथुर होंगे जम्मू कश्मीर और लद्दाख के पहले एलजी

नई दिल्ली, एजेंसियां : केंद्रीय व्यय सचिव गिरीश चंद्र मुर्मू (59) और पूर्व रक्षा सचिव राधा कृष्ण माथुर (65) को क्रमशः जम्मू-कश्मीर और लद्दाख का पहला उपराज्यपाल (एलजी) नियुक्त किया गया है। जम्मू-कश्मीर के वर्तमान राज्यपाल सत्यपाल मलिक को अब गोवा का राज्यपाल बनाया गया है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विश्वस्त माने जाने वाले गिरीश चंद्र मुर्मू 1985 बैच के गुजरात कैडर के आइएएस अधिकारी हैं। वह 30 नवंबर को सेवानिवृत्त होने वाले थे। उन्हें 31 अक्टूबर को श्रीनगर में जम्मू-कश्मीर के प्रशासनिक प्रमुख पद की शपथ दिलाई जाएगी। मुर्मू की नियुक्ति के साथ ही जम्मू-कश्मीर के राज्यपाल के सलाहकारों के. विजय कुमार, खुर्शीद गनई, के. सिकंदन और केके शर्मा का कार्यकाल भी संभवतः समाप्त हो जाएगा क्योंकि सेवाकाल के लिहाज से सभी नवनियुक्त उपराज्यपाल से वरिष्ठ हैं।

लद्दाख के नवनियुक्त उपराज्यपाल राधा कृष्ण माथुर 1977 बैच के त्रिपुरा कैडर के सेवानिवृत्त आइएएस अधिकारी हैं। वह 2013 से 2015 तक रक्षा सचिव के रूप में कार्य कर चुके हैं और पिछले साल नवंबर में मुख्य सूचना आयुक्त पद से सेवानिवृत्त हुए थे। उन्होंने आइआइटी कानपुर से मैकेनिकल इंजीनियरिंग में ग्रेजुएशन और फिर आइआइटी दिल्ली से पोस्ट ग्रेजुएशन किया है। वह त्रिपुरा के मुख्य सचिव भी रह चुके हैं। बता दें कि दोनों केंद्र शासित प्रदेश (जम्मू-कश्मीर और लद्दाख) 31 अक्टूबर से औपचारिक रूप से अस्तित्व में आ जाएंगे। पांच अगस्त को मोदी सरकार ने जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद-370 को हटा दिया था और राज्य को दो केंद्र शासित प्रदेशों के रूप में विभाजित कर दिया था।

- पीएम मोदी के विश्वस्त माने जाते हैं जम्मू-कश्मीर के नवनियुक्त एजी
- गोवा भेजे गए जम्मू-कश्मीर के राज्यपाल सत्यपाल मलिक

जीसी मुर्मू

आरके माथुर

सत्यपाल मलिक

दिनेश्वर शर्मा बने लक्षद्वीप के प्रशासक

खुफिया ब्यूरो (आइबी) के पूर्व प्रमुख और जम्मू-कश्मीर पर केंद्र सरकार के वार्ताकार रहे दिनेश्वर शर्मा को लक्षद्वीप का प्रशासक नियुक्त किया गया है। 1976 बैच के केरल कैडर के सेवानिवृत्त आइपीएस अधिकारी दिनेश्वर शर्मा 2015 से 2017 तक आइबी के प्रमुख रहे।

श्रीधरन पिल्लई मिजोरम के राज्यपाल

भाजपा की केरल इकाई के अध्यक्ष पीएस श्रीधरन पिल्लई (65) को मिजोरम का नया राज्यपाल नियुक्त किया गया है। अभी तक असम के राज्यपाल जगदीश मुखी मिजोरम का अतिरिक्त कार्यभार संभाल रहे थे। तिरुअनंतपुरम में पिल्लई ने बताया कि कुछ दिन पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उनसे नई नियुक्ति के बारे में बात की थी। वह पेशे से वकील होने के साथ-साथ लेखक भी हैं और सौ से ज्यादा किताबें लिख चुके हैं। इसके अलावा केरल से मिजोरम का राज्यपाल नियुक्त होने वाले तीसरे व्यक्ति हैं। इससे पहले 2011 से 2014 तक वक्कोम पुरुषोत्तमम और 29 मई, 2018 से आठ मार्च, 2019 तक के. राजशेखरन मिजोरम के राज्यपाल रहे। खास बात यह है कि पिल्लई से पहले राजशेखरन ही केरल भाजपा अध्यक्ष थे।

'अधिकारी और नेता करा रहे बांग्लादेश सीमा पर गो तस्करी'

जागरण संवाददाता, कोलकाता : भारत-बांग्लादेश सीमा पर गो तस्करी जोरों पर है। कुछ प्रशासनिक अफसर और कई राजनेता इस काम को मिलकर अंजाम दे रहे हैं। दरअसल, अंतरराष्ट्रीय सीमा की पहरेदारी में तैनात सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने सीबीआइ को एक रिपोर्ट भेजी गई थी, जिसमें यह बात कही गई थी। सीबीआइ की शुरुआती जांच में कई चौंकाने वाले तथ्य सामने आए हैं।

सीबीआइ के अनुसार, तस्करी के पीछे अंतरराष्ट्रीय गिरोह सक्रिय है। सीमा के जिन स्थानों से गो तस्करी होती है, उसका दौरा करने के बाद सीबीआइ ने आरंभिक रिपोर्ट दिल्ली मुख्यालय को भेजी है। साथ ही बीएसएफ को भी अवगत कराया है। सूत्रों का कहना है कि अब सीबीआइ की ओर से दिल्ली में एफआइआर दर्ज कर आगे की जांच की जाएगी।

अंतरराष्ट्रीय गिरोह के सक्रिय होने का शक: बीएसएफ की ओर से जो शिकायत की गई है,उसमें अंतरराष्ट्रीय सीमा के कई स्थानों से तस्करी का जिक्र है। बीएसएफ का मानना है कि इस तस्करी में कोई बड़ा गिरोह शामिल है।

हजारों करोड़ का है यह धंधा : गो तस्करी का धंधा हजारों करोड़ का है। बंगाल के सीमावर्ती मालदा, मुर्शिदाबाद, उत्तर व दक्षिण 24 परगना, नदिया एवं उत्तर बंगाल के जिलों से होकर बड़े पैमाने पर विभिन्न माध्यमों से बांग्लादेश में गायों की तस्करी की जाती है।

जलवायु की चिंता

जनहित याचिका दाखिल कर जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों से किया आगाह, 2025 तक ग्रीन हाउस गैसों के उत्सर्जन को शून्य के स्तर पर पहुंचाने की मांग

'क्लाइमेट इमरजेंसी' का मामला पहुंचा सुप्रीम कोर्ट

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

जलवायु परिवर्तन के चलते लगातार बढ़ रही प्राकृतिक चुनौतियों का मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंच गया है। इसे लेकर एक याचिका दाखिल की गई है। कोर्ट से इस मामले में दखल देते हुए ऐसी चुनौतियों से निपटने के लिए देश में 'क्लाइमेंट इमरजेंसी' घोषित करने की मांग की गई है। साथ ही जिन ग्रीन हाउस गैसों के उत्सर्जन के चलते यह समस्या खड़ी हो रही है, उसे 2025 तक जीरो स्तर पर लाने की भी गुहार लगाई गई है। ग्रीन हाउस गैसों के चलते पृथ्वी का औसत तापमान 1.5 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ा गया है। इसके चलते ग्लेशियर भी तेजी से पिघलने लगे हैं।

अधिवक्ता दुर्गेश गुप्ता की ओर से दाखिल की गई याचिका में पिछले कुछ सालों में लगातार बढ़ रही प्राकृतिक चुनौतियों की ओर ध्यान दिलाया गया है। इसमें हाल ही में तमिलनाडु के जल संकट का भी मामला शामिल है, तो कहीं ज्यादा बरसात और सूखे जैसी स्थिति का भी उल्लेख किया गया है। केंद्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्रालय को प्रतिवादी बनाया गया है। साथ ही मौजूदा स्थितियों को देखते हुए तुरंत ही सभी जरूरी कदम उठाने की जरूरत बताई है।

- जलवायु परिवर्तन से बढ़ रहा है जल संकट
- कहीं ज्यादा बरसात तो कहीं पड़ रहा सूखा
- तापमान में1.5 डिग्री सेल्सियस की वृद्धि
- तापमान बढ़ने से तेजी से पिघलते ग्लेशियर

फिलहाल जलवायु परिवर्तन की जो बड़ी चुनौती देखने को मिल रही है, वह जगह-जगह पैदा हो रहा जल संकट है। दुनिया के साथ भारत भी इसकी चपेट में है। हालांकि इससे निपटने के लिए सरकार के कई जरूरी कदम उठाए है, इनमें एक जंगल को बढ़ाना और जल संरक्षण जैसे मुहिम शामिल हैं।

क्या है जलवायु परिवर्तन ? : जलवायु परिवर्तन का आशय पृथ्वी के साल दर साल बढ़ते औसत तापमान से है। औद्योगिक क्रांति के बाद से पृथ्वी का औसत तापमान बढ़ रहा है। संयुक्त राष्ट्र की संस्था इंटरगवर्मेंटल पैनल ऑफ क्लाइमेट चेंज (आइपीसीसी) ने अपनी रिपोर्ट में पहली बार इससे आगाह किया था। अब इसके दुष्परिणाम भी सामने आने लगे हैं। पूरी दुनिया में गर्मी का मौसम लंबा होते जा रहा है और सर्दी का मौसम छोटा। प्राकृतिक आपदाओं की आवृत्ति और प्रवृत्ति बढ़ चुकी है। ऐसा ग्रीन हाउस गैसों के उत्सर्जन की वजह से हो रहा है।

जलवायु परिवर्तन पर आपातकाल लागू करने वाला ब्रिटेन पहला देश

जलवायु परिवर्तन पर आपातकाल (क्लाइमेट इमरजेंसी) लागू करने वाला ब्रिटेन पहला देश है। इस साल मध्य अप्रैल में,जलवायु परिवर्तन पर आपातकाल घोषित करने की मांग कर रहे एक समूह ने 11 दिन तक मध्य लंदन में आंदोलन किया था। प्रदर्शनकारियों ने सड़कें बंद कर दी थीं। इसके बाद संसद ने जलवायु आपातकाल की घोषणा की थी। अब यह आंदोलन जर्मनी और अन्य यूरोपीय देशों में भी फैल गया है।

संयुक्त राष्ट्र भी चिंतित

जलवायु परिवर्तन पर संयुक्त राष्ट्र समय-समय पर आगाह करता रहता है। हाल ही में बंजर हो रही जमीन के संरक्षण को लेकर सयुक्त राष्ट्र की अगुवाई में भारत में जुटे दुनिया भर के दो सौ देशों ने भी जलवायु परिवर्तन पर चिंता जताते हुए कहा था बचाव के लिए हमारे पास सिर्फ 12 साल का समय रह गया है। यदि समस्या जल्द हल नहीं की गई तो धरती पर तबाही आ जाएगी।

कमलेश के हत्यारोपित के वायरल ऑडियो पर गुजरात एटीएस और उत्तर प्रदेश पुलिस में ठनी

जागरण संवाददाता, लखनऊ

कमलेश तिवारी के हत्यारोपित अशफाक और मोइनुद्दीन गुजरात एटीएस की जगह उत्तर प्रदेश पुलिस के हत्थे चढ़ सकते थे, लेकिन इससे पहले ही गुजरात एटीएस ने हत्यारोपित अशफाक के पिता व पत्नी से संपर्क कर लिया था। अशफाक और उसकी पत्नी और पिता के साथ हुई बातचीत की रिकॉर्डिंग में यह बात सामने आयी है। दोनों आरोपियों को पकड़ने तक गुजरात एटीएस ने उप्र पुलिस से जानकारी साझा नहीं की। अब जब रिकॉर्डिंग वायरल हो रही है तो गुजरात एटीएस ने आपत्ति दर्ज करायी है। इसे लेकर गुजरात एटीएस और उप्र पुलिस में ठन गई है। बता दें कमलेश की हत्या के बाद अशफाक ने शाहजहांपुर पहुंचकर फोन पर पत्नी को फोन किया था और सरेंडर करने को लेकर बात की थी। अशफाक लखनऊ लौटना चाहता था, लेकिन पत्नी और उसके पिता ने उससे गुजरात आने को कहा। इस ऑडियो के लीक होने के बाद गुजरात एटीएस द्वारा अशफाक और मोइनुद्दीन को गुजरात-राजस्थान सीमा से पकड़ने की थ्योरी पर सवाल उठने लगे हैं। सूत्रों के मुताबिक गुजरात एटीएस के एक आला अफसर ने उप्र पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी को फोन कर ऑडियो वायरल होने पर आपत्ति दर्ज कराई है।

- पिता और पत्नी से हत्यारोपित अशफाक की बातचीत का है ऑडियो
- रिकॉर्डिंग लीक होने पर गुजरात एटीएस ने उठाए सवाल

अब तक की जांच में जिन लोगों की भूमिका सामने आई है, उनकी गिरफ्तारी की गई है। पुलिस ने साजिशकर्ताओं की भूमिका के कई साक्ष्य भी जुटाए हैं। पुलिस कुछ अन्य लोगों की भूमिका की पड़ताल भी कर रही है। साक्ष्य मिलने पर आगे की कार्रवाई की जायेगी। **-ओपी सिंह, डीजीपी**

यह है ऑडियो में : जो ऑडियो वायरल हुआ है उसमें अशफाक पिता से कह रहा है कि वह कल लखनऊ जाएगा। पिता ने कहा, गुजरात आ जाओ। अशफाक ने कहा, आना मुमकिन नहीं है। इस पर पिता बोले,एटीएस से बात हो गई है। लखनऊ वालों ने न कह दिया है।

तीन और गिरफ्तार, अब तक 10 : हत्या के मामले में बरेली के मौलाना कैफी अली के बाद वकील मु.नावेद रजा सिद्दीकी के साथ लखीमपुर निवासी रईस व आसिफ को भी शुक्रवार को गिरफ्तार कर लिया गया। इस तरह गिरफ्तार आरोपितों की संख्या 10 हो गई है।

...तो कमजोर धाराओं में जेल भिजवा देता नावेद : नावेद के कहने पर रईस व आसिफ ने अशफाक व मोईनुद्दीन को मोबाइल व रुपये उपलब्ध कराये थे। नावेद दोनों मददगारों को छोटे मामले में जेल भिजवाने की तैयारी में था। नावेद ने हत्यारोपितों के नेपाल से वापस आने में भी अहम भूमिका निभाई थी। एटीएस नावेद की कॉल डिटेल्स भी खंगाल रही है।